B-3
L-7
Geography

18/10/2023

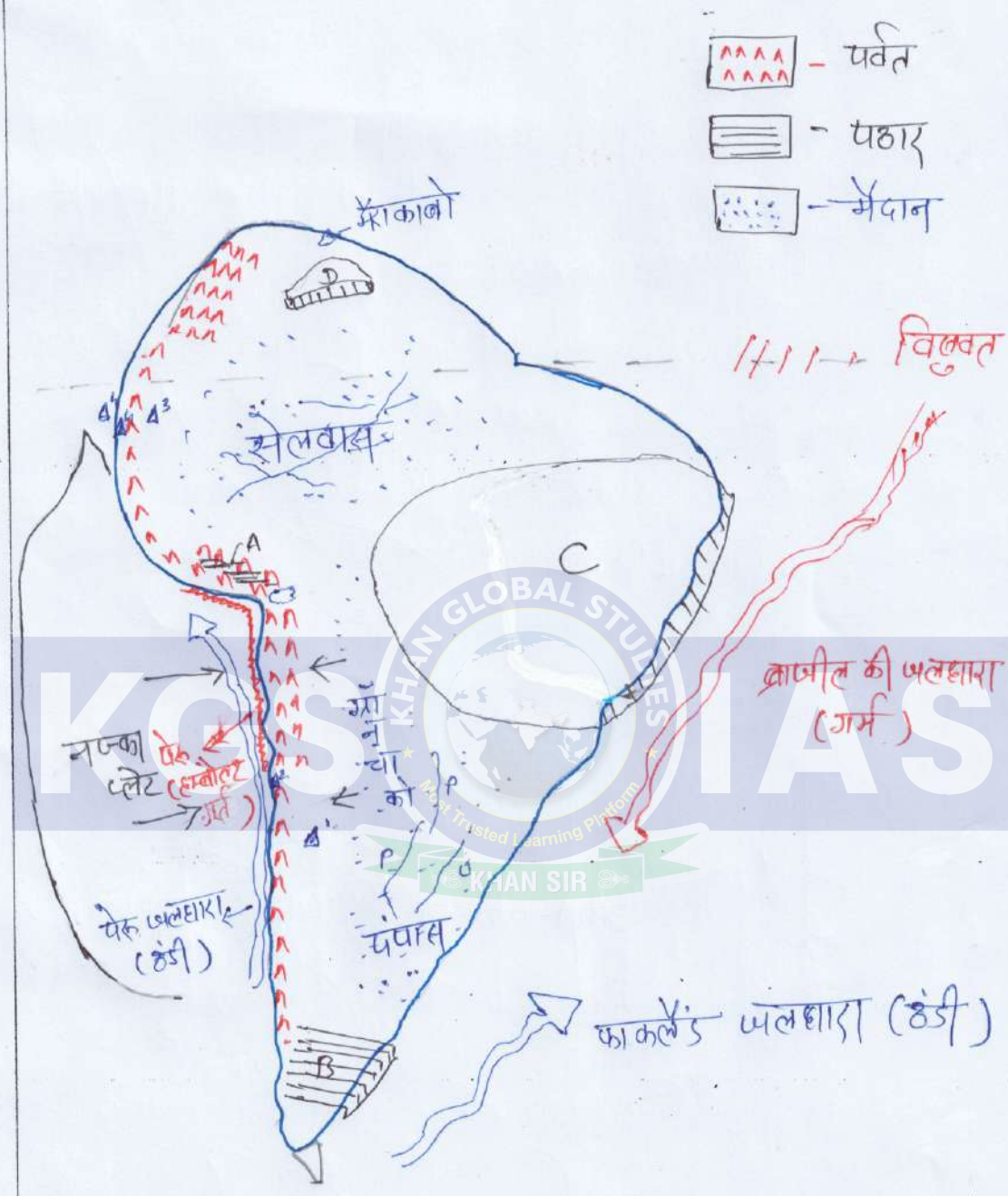

Fig:- दक्षिण अमेरिका

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

स्थल मंडल

उच्च भूमि

→ पर्वत श्रृंखला - ऐंडीज (Andes) - यह नूतन वलित पर्वत है।
→ ऐंडीज विश्व की दूसरी सबसे ऊंची पर्वत श्रेणी है।
→ विश्व की सबसे लम्बी निर्बाध वलित पर्वत श्रृंखला ऐंडीज ही है।
→ इसमें दर्रे नही है, अपवाद स्वरूप उत्पलात। दर्रा पाया जाता है।
→ यह एंडेसाइड लावा से बनी चट्टानों से बनता है।
→ इसका संरेखन उत्तर से दक्षिण की ओर है।
→ उत्तर में कोर्डिलेरा
  - पश्चिमी / Occidental
  - मध्य
  - पूर्वी / Oriental

प्रमुख शिखर
1. माउंट एकोन्कागुआ → अर्जेंटीना → दक्षिण अमेरिका का सबसे ऊंचा बिन्दु
2. ओजस देल सलादो
3. कोटोपैक्सी
4. चिम्बोराजो

→ ओजस देल सलादो विश्व का सर्वोच्च सक्रिय ज्वालामुखी है।

KGS IAS
KHAN GLOBAL TUDIES
KHAN SIR

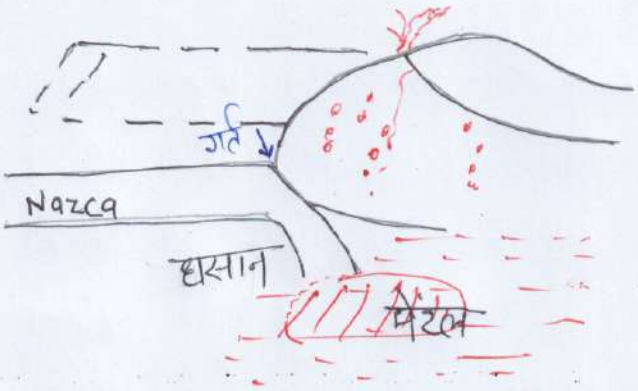

→ कोटोपैक्सी और चिम्बोराजो इक्वाडोर की ज्वालामुखी चोटियां हैं।

पठार

1. बोलिविया का पठार -
   → इसे आल्टीप्लैनो भी कहा जाता है।
   → यह विश्व का दूसरा सबसे ऊंचा अंतर-पर्वतीय पठार है।
   → यहां पर इन्का सभ्यता पाई जाती थी
   → यहां पर मशहूर झील टिटिकाका झील पाई जाती है। यह विश्व की सर्वोच्च नौवहनीय झील है। यह एक क्रेटर झील है।
   → टिटिकाका बोलिविया और पेरू की सीमा पर है।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform

Trench/गर्त - प्लेटों के अभिसरण से बनी V-आकार की आकृति होती है

B.⇒ पैटागोनिया का पठार
→ यह एंडीज के पूर्व में पर्वतपाद पठार है।
→ यह एक मरुस्थलीय क्षेत्र है।

C⇒ ब्राजील की शील्ड / ब्राजील की उच्च भूमि
→ प्रमुख खंड इस पठार के - बॉरबॉरेमा का पठार
- मांटीग्रॉसो का पठार
- कटिंगा का पठार

D⇒ गियाना की शील्ड / गियाना की उच्च भूमि

जलमंडल

• झील
→ टिटिकाका
→ पाउपो
→ मैराकाइबो
→ मार चिकीता

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

नदी

→ अमेजन

- विश्व की सबसे बड़ी नदी (आयतन की दृष्टि) है।
- लगभग 1100 सहायक नदियां हैं।
- विषुवत के पास इसका चापाकार डेल्टा बनता है।
- इसका स्रोत स्थान पेरू में है।
- यह एक नौवहनीय नदी है, मनाउस शहर तक। मनाउस शहर नेग्रो और अमेजन के संगम बिन्दु पर है। मुहाने से लेकर मनाउस शहर तक नौवहन की सुविधा उपलब्ध।
- ब्राजील में इसका फैलाव ज्यादा है।

→ ओरिनोको

- यह गियाना के पठार को पार करती है, यही पर विश्व का सबसे ऊंचा जल प्रपात एंजेल जलप्रपात बनता है।

→ काउका - मैगडालेना - कोलम्बिया

→ Rio - de - La platta / लाट नदी (चांदी की नदी)

- यह एक सामूहिक नदी है, जो तीन नदियों के जोड़ से बनती है - पराना, पराग्वे, उरूग्वे

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

→ इसके पास अर्जेंटीना और उरुग्वे की राजधानी अवस्थित हैं।

मैदान

1. सेल्वास (पृथ्वी के फेंफड़े)
   → यह ब्राजील के वर्षा वन भी कहलाते हैं।
   → ये विषुवतीय सदाबहार वन हैं।
   → यहां 200 सेमी. से अधिक वार्षिक वर्षा होती है। यह अति आर्द्र स्थिति होती है।
   → यह अति सघन वन होते हैं।

   → सघनता के कारण प्रकाश नीचे तक नहीं पहुंच पाता है।
   → घास नहीं हो सकती है यहां, इस कारण घास खाने वाले शाकाहारी जीव नहीं पाये जाते हैं।
   → आर्द्रता व गर्मी के वजह से कीट पाये जाते हैं। इन्हे खाने वाले सांप भी पाये जाते हैं
   → वृक्षों पर रहने वाले जानवर भी पाये जाते हैं।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

→ ग्रॉनचाको-

- → एंडीज के पूर्वी हिस्से में पाये जाते हैं।
- → यह एंडीज के पूर्व में निचला क्षेत्र है, जहां जल भर जाता है।
- → जल की निकासी न होने से यह दलदलीय क्षेत्र बन जाता है।
- → यहां भी सवन बन पाये जाते हैं।
- → यहां क्वेबराचो लकड़ी पाई जाती है, जिसे कुल्हाड़ीतोड़ वृक्ष के नाम से भी जानते हैं।

→ पंपास

- → अर्जेंटीना के शीतोष्ण घास मैदान हैं।
- → यहां पशुपालन किया जाता है, मांस उद्योग के लिए।
- → यहां मीट पैकिंग फैक्ट्री भी हैं, जिन्हें फ्रिगोरीफिकॉस कहा जाता है।
- → यहां एक विशेष घास एल्फा-एल्फा उगाई जाने लगी है, जो अधिक पौष्टिक होती है।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

वर्षण के सिद्धांत

- वर्षण के प्रकार

1. संवहनीय वर्षा
2. पर्वतीय वर्षा
3. वाताग्रीय वर्षा

1. संवहनीय वर्षा :-

→ पृथ्वी के गर्म और आर्द्र क्षेत्र अर्थात विषुवतीय क्षेत्र या उष्ण कटिबंधीय क्षेत्र में इस प्रकार की वर्षा होती है।

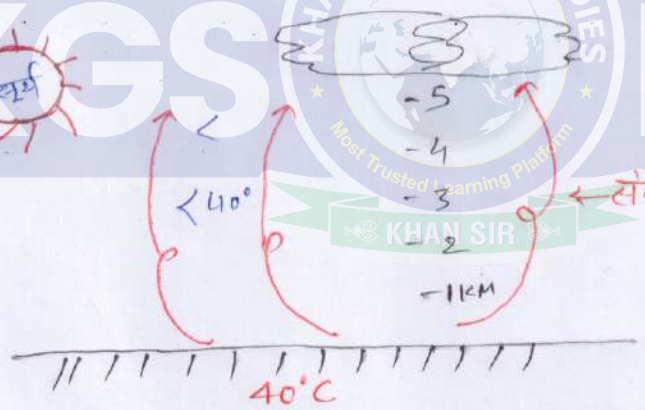

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

→ जैसे - जैसे पृथ्वी की सतह से ऊपर जाते हैं तापमान का ह्रास होने लगता है। तापमान की ह्रास की दर औसतन 6.5°C प्रति किमी होती है।

→ जैसे ही तापमान कम होकर ओसांक बिन्दु पर पहुंचता है संघनन की प्रक्रिया की वजह से बादल का निर्माण होता है।

→ ब्राजील की वर्षा का नाम 4o'clock shower है।

2. पर्वतीय वर्षा-

→ व्यवधान आधारित वर्षा भी कहलाती है।

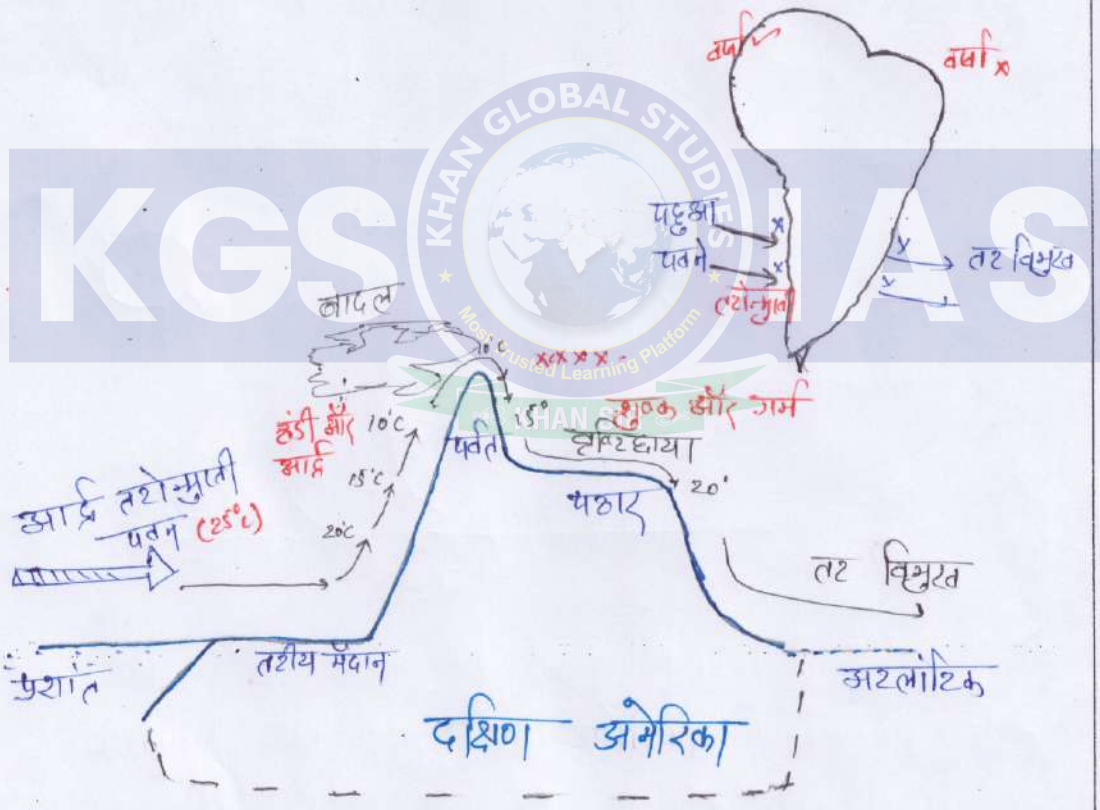

→ तटोन्मुखी आर्द्र पवन के पर्वतीय अवरोध से टकराने पर यह वर्षा होती है।

KGS IAS